an>

title: Need to construct railway over bridge/under pass at Shrawasti in Uttar Pradesh.

श्री दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती) : महोदया, मेरा नाम भी दिनांक 15 मार्च, 2017 को ज़ीरो आवर में था। पर, उस दिन वह कैन्सल हो गया है। इसलिए आज हमें पूरा समय दे दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : ऐसे समय नहीं मिलता है।

श्री दद्दन मिश्रा: माननीय अध्यक्षा जी, हमारे संसदीय क्षेत्र में एकमात्र रेल लाइन है, जिसका आमान परिवर्तन नवम्बर, 2015 में पूर्ण हुआ। माननीय मंत्री जी ने स्वयं जाकर उसका लोकार्पण किया है। उसके आमान परिवर्तन से पहले वहां पर कुछ समपार फाटक बने हुए थे, जिसे आमान परिवर्तन में बंद कर दिया गया है। अब इससे लाखों लोगों का आवागमन बाधित हो गया है। उन लोगों का कहना है कि इससे अच्छा तो तभी था, जब रेल लाइन बंद थी। अब रेल लाइन चालू होने से उनका आवागमन बंद हो गया है।

माननीय अध्यक्षा जी, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से मांग करता हूं कि जो पांच समपार फाटक बंद कर दिए गए हैं, वहां पर आरओबी/आरयूबी बनाना नितांत आवश्यक है। झारखण्डी तथा गैंजहवां रेलवे स्टेशनों के बीच पुल संख्या 151 के निकट, पुल संख्या 149 के निकट, तुलसीपुर और लैंबुड्वा स्टेशन के बीच में मानिकौरा काशीराम गाँव में नहर समपार गेट बना हुआ था, जिनको बंद कर दिया गया हैं। इसके साथ ही 135/ 6–7 के पास समपार फाटक बना हुआ था, इसको भी बंद कर दिया गया है, यहां पर आवागमन बाधित हो रहा है। हमारे रेलवे की पॉलिसी है कि राष्ट्रीय राजमार्ग को समपार फाटक से मुक्त किया जाए। बलरामपुर नगर के अंतर्गत झारखण्डी स्टेशन के सामने एक समपार फाटक है, यहां पर आरओबी न होने की वजह से घंटों जाम लगा रहता है। यहां पर एक आरओबी बनवाया जाए। एक आरयूबी जो सिरसिया गांव में स्वीकृत हुई थी, जो आसाम बाईपास के नाम से जाना जाता है, इसका भी निर्माण तत्काल कराया जाए।

माननीय अध्यक्ष:

*m02 श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

*m03 कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री दद्दन मिश्रा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।